Gmail: delhitimesnews@gmail.com | दिल्ली टाइम्स न्यूज का प्रकाशन | RNI.No. 6609/1997

Delhi Times News
मीडिया MEDIA
www.delhitimesnews.com

लोकप्रिय

दिल्ली टाइम्स

जनता की निर्भीक आवाज

www.delhitimesnews.com

समर्पण समाज को

वर्ष : 30 —— अंक : 13 | नई दिल्ली, 30 मार्च से 5 अपैल 2026 | मूल्य: 2 रुपए | पृष्ठ: 04 | प्रधान संपादक : डॉ जसबीर आर्य | प्रभारी संपादक: अजीत स्वामी | हेल्प लाइन:9212412283

संक्षिप्त समाचार

नरवाना में 15 साल की लड़की की बाल विवाह की कोशिश नाकाम, आधे रास्ते से वापस लौटी बारात

जितेंद्र परमार

नई दिल्ली: प्रशासन की तत्परता और लोगों के सहयोग से हरियाणा के जींद जिले के नरवाना में एक 15 साल की लड़की की शादी ऐन वक्त पर रोक दी गई। जब बारात सिर्फ दस किलोमीटर दूर थी, तभी स्थानीय प्रशासन, बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) और सामाजिक संगठन मिशन टू द डेस्परेट एंड डेस्टिट्यूट (एमडीडी) ऑफ इंडिया की टीम मौके पर पहुंच गई। ये खबर सुनते ही बारात ने रास्ते से ही वापस लौटने का फैसला किया। इस बीच टीम ने लड़की के परिवार को समझाया और उसे भी बाल कल्याण समिति के सामने पेश किया। चूंकि लड़का भी नाबालिग है, इसलिए उसे अपने परिवार के साथ अधिकारियों के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया है।

दरअसल इस मामले की शुरूआत कुछ दिन पहले हुई, जब एमडडी के सदस्य को एक कॉल आई। संस्था के जिला समन्वयक नरेंद्र शर्मा बताते हैं, "कॉल करने वाले की उम्र ज्यादा नहीं थी, उसने पहचान उजागर न करने की शर्त पर इस शादी की जानकारी दी। उसने बताया कि सोशल मीडिया पर चल रहे एक जागरूकता वीडियो में मेरा नंबर देखा था, जिसे नोट कर लिया था। एमडीडी ऑफ इंडिया, नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी है, जो जिले में बाल संरक्षण के क्षेत्र में जमीन पर काम कर करता है। संगठन लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाता है साथ ही पुलिस थानों, धर्मस्थलों और स्कूलों में कार्यक्रमों के जरिए लोगों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूक करता है।

दिलचस्प बात यह है कि कुछ दिन पहले, लड़की के ताऊ ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) को एक पत्र लिखकर बताया था कि लड़की के पिता ने दूल्हे के परिवार से 1.5 लाख रुपये लेकर अपनी नाबालिग बेटी की शादी तय कर दी है। इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, एनसीपीसीआर ने जींद पुलिस को भी इस मामले में कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। इस तरह उसी फोन कॉल और ताऊ की शिकायत ने मिलकर पूरी कार्रवाई की नींव रखी।

इसलिए सूचना मिलते ही नरेंद्र शर्मा ने पुलिस और बाल विवाह निषेध अधिकारी की संयुक्त टीम के साथ सही वक्त पर पहुंचकर होने वाली इस गैरकानूनी शादी को रोक दिया। शर्मा बताते हैं, "जब दस्तावेज जांचे और परिवार से पूछताछ की गई तो मालूम हुआ कि लड़की, चार बहनों में सबसे बड़ी है और वो भी महज साढ़े पंद्रह साल की है। वह छठी कक्षा में पढ़ती थी लेकिन हाल ही में स्कूल जाना बंद कर दिया था।" इस तरह शादी में अब बस कुछ ही घंटे बाकी रह गए थे और घर पर करीब 20 मेहमान भी इकट्ठा हो चुके थे। बच्ची के माता-पिता को समझाया गया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। इसके बाद माता-पिता ने थाने में हलफनामा देकर कहा कि अब वह बिटिया की शादी बालिग होने के बाद ही करेंगे।

इस बीच बाल कल्याण समिति के सामने पेश होने पर लड़की ने परिवार के साथ वापस जाने से साफ मना कर दिया। उसने अधिकारियों से कहा, "मेरे माता-पिता जबरदस्ती शादी करा रहे हैं। मुझे उनसे डर लगता है, मैं उनके साथ घर नहीं जाना चाहती।" फिलहाल लड़की बाल आश्रय गृह में है जहां उसकी काउंसलिंग की जा रही है।

बाल विवाह रोकने में आपसी तालमेल और जागरूकता की अहमियत पर एमडीडी ऑफ इंडिया के सीईओ सुरिंदर सिंह मान ने कहा, "इस मामले से साफ पता चलता है कि एक फोन कॉल या एक शिकायत भी बच्चों की जिंदगी बचा सकती है। जब सब मिलकर काम करते हैं तो बड़े से बड़ा बदलाव मुमकिन है। इसी तरह के सहयोग और सक्रियता से हम 2030 से पहले ही हरियाणा को बाल विवाह मुक्त बना सकते हैं।"

ढांचागत परियोजनाओं में लागू किए गए टेंडर सुधार: प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार ने टेंडर प्रक्रिया में सुधार किया है। इसके तहत अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी) जमा करने की प्रक्रिया को पूरी तरह से ऑनलाइन कर दिया गया है। यह जानकारी शुक्रवार को लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दी। अधिकारियों के अनुसार लोक निर्माण विभाग और बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई विभाग की परियोजनाओं में बोली लगाने वालों को ईएमडी की राशि उस कार्यालय में जाकर भौतिक रूप से जमा करनी पड़ती थी, जहां का परियोजना स्थित होता था। सिंह ने कहा कि इस व्यवस्था के कारण अक्सर अनावश्यक संपर्क, संभावित सूचना लीक और बोली प्रक्रिया में निष्पक्षता को लेकर चिंताएं पैदा होती थीं। ईएमडी को पूरी तरह से ऑनलाइन कर-के अनावश्यक मानवीय हस्तक्षेप को खत्म किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि ईमानदार और निष्पक्ष ठेकेदारों को उचित अवसर मिले और जनता के पैसे का उपयोग पूरी जवाबदेही के साथ किया जाए। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत ईएमडी अब केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी और बोली लगाने वाले अपने टेंडर दस्तावेजों के साथ इसकी एक स्कैन की हुई कॉपी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर अपलोड करेंगे। सिंह ने कहा कि इस कदम से यह सुनिश्चित होता है कि प्रक्रिया के दौरान कोई भी अधिकारी या बाहरी संस्था यह पता न लगा सके कि किस प्रोजेक्ट के लिए कौन बोली लगा रहा है। इससे पक्षपात, दबाव या हेरफेर की गुंजाइश खत्म हो जाती है।

एक अप्रैल 20226 से बदल जाएंगे ऑनलाइन पेमेंट के बहुत से नियम

डॉ. जसबीर आर्य (Ph.D)

नई दिल्ली: 1 अप्रैल 2026 से, ऑनलाइन पेमेंट करने का तरीका बदल जाएगा, डळढ डालने का तरीका बदल जाएगा, और आपके बैंक अकाउंट को सुरक्षित रखने का तरीका भी पूरी तरह से बदल जाएगा।

पहला नियम जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा, वह है 'डायनामिक टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन' (Dynamic Two-Factor Authentication)।

इसका मतलब है कि अब आपके हर पेमेंट की जाँच की जाएगी कि वह कहाँ से किया जा रहा है।

दूसरा नियम यह है कि आप बैंकिंग ऐप में स्क्रीनशॉट या स्क्रीन रिकॉर्डिंग नहीं ले पाएँगे। यह पूरी तरह से बैन होगा।

ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि स्कैमर 'एनीडेस्क' (Any Desk) जैसे ऐप के जरिए आपकी स्क्रीन रिकॉर्ड कर लेते हैं, और वहाँ से वे आपका OTP और पासवर्ड पता करके, आपके मोबाइल को ऑपरेट करते हुए आपके पैसे निकाल लेते हैं।

तीसरा नियम यह है कि आप रात के समय होने वाले लेन-देन

(transactions) को लॉक कर सकते हैं। इसका मतलब है कि बैंकों ने अपने ऐप में यह नियम बनाया है कि अगर आप चाहें, तो रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक अपने लेन-देन को लॉक कर सकते हैं। इस दौरान, कोई भी आपके अकाउंट से एक भी रुपया नहीं निकाल पाएगा।

चौथा नियम यह है कि जैसे ही आप कोई फर्जी ऐप या मैलवेयर डाउनलोड करेंगे, आपको तुरंत चेतावनी मिल जाएगी।

पाँचवाँ नियम यह है कि OTP सिस्टम में एक बड़ा बदलाव होने वाला है।

इसका मतलब है कि रटर के जरिए OTP भेजने का तरीका बंद हो जाएगा। आपको डळढ सीधे उसी ऐप या बैंकिंग ऐप में मिलेगा, जिसका आप इस्तेमाल कर रहे हैं।

छठा नियम यह है कि हर लेन-देन पर आपसे कुछ अतिरिक्त सवाल पूछे जा सकते हैं।

उदाहरण के लिए, अगर आप आमतौर पर 2000 रुपये का लेन-देन करते हैं, और अचानक आपके अकाउंट से 50,000 रुपये, 1,00,000 रुपये या उससे ज्यादा की रकम निकल जाती है, तो आपसे पूछा जा सकता है कि आपकी माँ का नाम क्या है, आपने किस स्कूल में पढ़ाई की है, या आपने जो भी 'सिक्योरिटी सवाल' (security questions) सेट किए हैं, उनमें से कोई भी सवाल पूछा जा सकता है। अगर आप सही जवाब देते हैं, तो यह मान लिया जाएगा कि यह लेन-देन आप ही कर रहे हैं। वरना, बैंक को यह सूचना मिल जाएगी कि हो सकता है कि कोई स्कैमर यह लेन-देन कर रहा हो।

सातवाँ नियम है 'बिहेवियरल बायोमेट्रिक्स' (Behavioural Biometrics)। इसका मतलब है कि आपका बैंकिंग ऐप आपके टाइप करने के तरीके, आपकी टाइपिंग की गति और आप अपनी स्क्रीन को कैसे इस्तेमाल कर रहे हैं—इन बातों के आधार पर यह पुष्टि करेगा कि आप ही वहां मौजूद हैं या नहीं। आठवां और अंतिम नियम है—आधार और बायोमेट्रिक्स।

यदि आप बैंकिंग ऐप से कोई बड़ी रकम का लेन-देन करते हैं—जैसे कि 5,00,000 रुपये, 8,00,000 रुपये या 10,00,000 रुपये—तो आपसे आपके आधार लिंक, फिंगरप्रिंट या फेस स्कैन की जानकारी मांगी जाएगी।

इसके बिना, आप कोई भी भुगतान नहीं कर पाएंगे। दोस्तों, यह जानकारी अपने सभी मित्रों के साथ साझा करें। सभी को जागरूक करें। धोखेबाजों से सावधान रहें। ऑनलाइन स्कैमर्स से बचें।

डॉ. वीके शर्मा बने सिक्किम स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलपति, शिक्षा जगत में हर्ष की लहर

रूड़कीः शहर के प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं शिक्षा प्रशासक डॉ. वी.के. शर्मा को सिक्किम स्किल्स यूनिवर्सिटी, सिक्किम का कुलपति नियुक्त किया गया। उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से न केवल रूड़की बल्कि पूरे उत्तराखंड के शिक्षा जगत में खुशी और उत्साह का वातावरण है। विभिन्न शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों एवं शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

अजीत स्वामी
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष,
नेशनल मीडिया फेडरेशन
मोबाइल:9810258654

डॉ. शर्मा का शैक्षिक एवं प्रशासनिक अनुभव अत्यंत समृद्ध रहा है। उन्होंने लगभग 27 वर्षों के लंबे अनुभव में स्नातक स्तर पर 19 वर्ष तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 8 वर्षों तक अध्यापन किया है। इससे पूर्व वे लिंगायाज यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद में प्रो-वीसी ग्लोकल यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश तथा मदरहुड यूनिवर्सिटी, रूड़की में प्रोफेसर एवं डीन के पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे विकासनगर एवं रूड़की के महाविद्यालयों में प्राचार्य पद का भी सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं।

शैक्षिक योगदान के साथ-साथ डॉ. शर्मा शोध कार्यों में भी अग्रणी रहे हैं। उनके सैकडों शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय एवं यूजीसी सूचीबद्ध जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने देशभर में शिक्षा के क्षेत्र में शोध मार्गदर्शन, प्रोजेक्ट्स तथा सेमिनारों में सक्रिय भागीदारी निभाई है। उनकी उपलब्धियों में विभिन्न वर्षों में शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कारों के संयोजक के रूप में उल्लेखनीय योगदान शामिल है। सैकडो शैक्षिक पुरस्कारों से भी डॉ. वी.के.शर्मा को राष्ट्रीय अंर्तराष्ट्रीय मंचो पर सम्मानित किया जा चुका हैं। डॉ. शर्मा ने परीक्षक के रूप में भी विभिन्न राजकीय व निजि विश्वविद्यालयों मे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। वे उदघोषःशिक्षा का नया सवेराह्व अभियान के संरक्षक के रूप में भी समाज के अंतिम पंक्ति तक शिक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं तथा पांच अखिल भारतीय शैक्षिक विमर्श एवं शिक्षक सम्मान समारोह में देश के हजारों उल्लेखनीय उपलब्धिवान शिक्षकों का सारस्वत सम्मान करा चुके हैं।

उनकी कुलपति पद पर नियुक्ति के बाद शिक्षकों, सामाजिक कार्यकताओं और विभिन्न संगठनों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। शिक्षाविदों का मानना है कि उनके नेतृत्व में सिक्किम स्किल्स यूनिवर्सिटी कौशल आधारित शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी।

शुभकामनाएं देते हुए शिक्षाविदो सहित अनेक गणमान्य लोगों ने कहा कि डॉ. शर्मा की यह उपलब्धि युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके नेतृत्व में शिक्षा क्षेत्र में नवाचार को नई दिशा मिलेगी। शुभकामनाये देने वालो में संजय वत्स, राजीव कुमार शर्मा, डायट प्राचार्य रूडकी मैराज अहमद, डॉ. सुरेश पचौरी, डॉ. देवेन्द्र शर्मा, डॉ. संतोष कुमार शर्मा, डॉ.विपिन कुमार चौधरी,डॉ. ओमप्रकाश शर्मा,डॉ. अवध शर्मा, मु.इकराम,नितिन कुमार,सतीश पाल सिंह, डॉ. अंशुमन शर्मा,ओम सैनी, डॉ. घनश्याम गुप्ता,बीर सिंह पंवार,ठाठ सिंह, अंजीव कुमार मलिक, जगपाल सिंह, डॉ. रणवीर सिंह, डॉ.प्रवीण कुमार पुंडीर, विकास कुमार, संजीत सिंह,सुमित पंवार, डॉ. विशाल शर्मा, सुधीर शांडिल्य,धर्मपाल धीमान, डॉ. प्रियंका शर्मा आदि शामिल रहे।

Pause for Peace के माध्यम से वासुदेव घाट पर गूंजा शांति का संदेश

भारत की आध्यात्मिक परंपराओं से ही विश्व शांति संभव:राजयोगिनी बी के चक्रधारी

नई दिल्ली (टाइम्स ब्यूरो): आज सायंकाल वासुदेव घाट, रिंग रोड, कश्मीरी गेट यमुना तट पर ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित Pause for Peace सायंकालीन राजयोग ध्यान कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम सायं 5:00 बजे से 6:30 बजे तक चला, जिसमें अनेक गणमान्य नागरिकों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं स्थानीय निवासियों ने भाग लेकर आंतरिक शांति का अनुभव किया।

इस अवसर पर ब्रह्मा कुमारी संस्थान से दिल्ली एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, रुस एवं बाल्टिक देशों की निदेशिका राजयोगिनी बी के चक्रधारी दीदी कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में Pause for Peace जैसे प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं, जो व्यक्ति को स्वयं से जोड़कर समाज में शांति और सद्भाव का वातावरण निर्मित करते हैं। आध्यात्मिक ज्ञान के आधार पर राजयोग ध्यान द्वारा हम स्वयं की आंतरिक सुषुप्त शक्तियों को जाग्रत कर शांति, प्रेम, पवित्रता के प्रकंपन से स्वयं, समाज, राष्ट्र एवं विश्व की सेवा कर सकते हैं। वर्तमान परिदृश्य में इसकी आवश्यकता है।

स्थानीय निगम पार्षद सुमन गुप्ता, जिनके सहयोग से इस स्थान को विकसित कर सायंकाल में यमुना आरती का आयोजन हर मंगलवार व रविवार को किया जाता है, जिसमें सैकड़ों लोग उपस्थित होकर आनंद का अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि आज का यह कार्यक्रम असीम शांति, अद्भुत एवं अलौकिक सुख प्रदान करने वाला था। इस अवसर पर डॉ मंजू गुप्ता, डॉ एम डी गुप्ता, डॉ मोहित गुप्ता, मोनिका गुप्ता, बी के ममता, बी के सुनीता तथा अनेक ब्रह्माकुमारी बहन एवं भाई उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वर्तमान तनावपूर्ण वैश्विक एवं सामाजिक वातावरण में कुछ क्षण रुककर स्वयं के भीतर शांति का अनुभव करना तथा उसे विश्व में प्रसारित करना रहा।

राजयोग ध्यान के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को मन की एकाग्रता, सकारात्मक सोच एवं आत्मिक सशक्तिकरण का अभ्यास कराया गया। सामूहिक ध्यान के दौरान सम्पूर्ण वातावरण शांति, सकारात्मक ऊर्जा एवं दिव्यता से ओत-प्रोत हो गया। यमुना आरती एवं राजयोग ध्यान के बाद कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने विश्व शांति एवं मानव कल्याण के लिए सामूहिक संकल्प लिया एवं प्रसाद वितरण किया गया।

मीडिया में जनसेवा भी - रोजगार भी

क्या आप एक सफल पत्रकार बनना चाहते है?
क्या आप जनता की आवाज बनना चाहते है?
क्या आप मीडिया में अपना भविष्य बनाना चाहते है?
क्या आप जनता की सेवा/ सहायता / सुरक्षा करना चाहते है?

यदि हाँ, तो DTN मीडिया की प्रैस, टी० वी० एवं साईबर समाचार एजेंसी में है आपके लिये निम्न प्रकार के कुछ सुनहरे अवसर जैसे:-

यदि आप पत्रकारिता सीखना चाहते है?

तो आप DTN की मीडिया एकेडमी में प्रवेश लेकर पत्राचार द्वारा घर बैठे 6 माह का पत्रकारिता प्रशिक्षण कोर्स उतीर्ण करें जिसका शुल्क काफी कम है। कोर्स पूरा करने के बाद आप चाहें तो DTN या अन्य मीडिया में PRESS REPORTER की Job भी कर सकते है जिससे आपको समाज सेवा के साथ -साथ रोजगार भी मिल सकेगा।

यदि आप एक अनुभवी व कुशल पत्रकार है

तो आप DTN मीडिया में निम्न पदों पर कार्य कर सकते है:- जैसे प्रैस रिपोर्टर, फ्रीलांसर-पत्रकार, लेखक, विज्ञापन प्रतिनिधि/प्रबंधक, कैमरा मैन / फोटोग्राफर, ब्यूरो चीफ, राज्य प्रभारी, मीडिया सलाहकार, उपसंपादक, सह सम्पादक या समाचार सम्पादक आदि के रूप मे जुडकर अपना कैरियर बना सकते है।

कृपया अधिक जानकारी के निम्न पते पर शीध्र सम्पर्क करे:-

Delhi Times News
PRESS
DTN

DELHI TIMES NEWS
The National Press & TV News Media
Office: Plot No.4, chandra Park, (Opp. NSIT)
Dwarka Mod Highway, New Delhi -110078
Helplines: 9868422283, 9968004686
E-mail: delhitimesnews@gmail.com
Website: www.delhitimesnews.com

NGO क्षेत्र में नाम, पावर व रोजगार

C.F.I.B.
NATION FORCE

आप हमारे स्वंयसेवक बनकर किसी बेसहारा, दुःखी, रोगी, अन्याय पीड़ित व्यक्ति की मदद या उसे न्याय दिलवाने वाले सामाजिक कार्यों में अपना कैरियर बनाए।

CRIME FREE INDIA BUREAU
The National Anti Crime Force
Website: www.crimefreeindiabureau.com E- mail: cfibforce@gmail.com

क्या आप प्रैस-रिपोर्टर बनना चाहते है?

यदि हाँ ! तो आप प्रतिष्ठित दिल्ली टाइम्स न्युज मीडिया में अपने इलाके के पत्रकार बनकर जनता की आवाज बुलंद करें:-

Delhi Times News
PRESS
DTN

DELHI TIMES NEWS
The National Press & TV News Media
E-mail: delhitimesnews@gmail.com
Website: www.delhitimesnews.com

क्या आप एक WOMEN RIGHT ACTIVIST बनना चाहती है?

यदि हाँ ! आप हमारी महिला समाज सेविका बनकर बिखरी नारी शक्ति को संगठित और सशक्त करने में अपना भविष्य बनाये। अधिक जानकारी हेतू सम्पर्क करें:-

NATIONAL WOMEN FORCE / राष्ट्रीय महिला सेना

पत्रकारों/लेखकों का आहवान

नेशनल मीडिया फोर्स (NMF) मीडिया व पत्रकारों की सुरक्षा, कल्याण, विकास, उन्नति व सेवा मे समर्पित एक शक्तिशाली राष्ट्रीय संगठन है। अतः आप नेशनल मीडिया फोर्स (NMF) से स्वयं जुड़े तथा औरो को भी जोड़े साथ ही अपने जिले में नेशनल मीडिया फोर्स (NMF) की एक शाखा का गठन कर अपनी नेतृत्व क्षमता, प्रतिभा व व्यक्तिव को एक नई पहचान दें।

कृपया मीडिया फोर्स के प्रदेश/जिला/ब्लाक अध्यक्ष बनने हुते शीघ्र सम्पर्क करें:-

NATIONAL MEDIA FORCE
(पत्रकारों की एक राष्ट्रीय सेना)
Website: www.nationalmediaforceindia.com E-mail: mediaforceindia@gmail.com

मेडिकल पेशे मे प्रतिष्ठा और कैरियर दोनों

- क्या आप आयुर्वेद, युनानी, होम्योपैथी या एलोपैथी चिकित्सा के कुशल व अनुभवी अनरजिस्टर्ड प्रेक्टिशनर हैं?
- क्या आप Paramedical कोर्स करना चाहते है? यदि हाँ, तो आप भारत सरकार, WHO व सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्देशित प्राथमिक चिकित्सा में Certified Paramedical Practitioner (CPMP) बनकर अपनी सम्बंधित पैथी में खुलकर चिकित्सा अभ्यास/व्यवसाय करें। अतः अधिक जानकारी हेतु शीध्र सम्पर्क करें।

GLOBAL HEALTH & MEDICAL COUNCIL
वैश्विक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा परिषद
(Established Under the Central Law of ITA 1882 Vide Regd. 2570)
To Promote Quality Education, Research & Training in the Field of Health Care, Ayush, Paramedical Alternative Medicines, Traditional Therapies & Modern Medical System for disease free world

कृपया उपरोक्त संगठनों से संबंधी और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्न पते पर शीघ्र सम्पर्क करें:

पंजीकृत कार्यालय: प्लाट न० 4, चन्द्रा पार्क, द्वारका मोड़ हाईवे (NSIT के सामने) नई दिल्ली-110078
प्रशासनिक कार्यालय:- प्लाट न० 3, हरि विहार, (मैट्रो पिलर न० 811 के सामने) द्वारका मैट्रो स्टेशन, नई दिल्ली:110078
हेल्पलाईन: 09868422283, 08368744424, 09212412283
मिलने का समय प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक/ रविवार अवकाश (कृपया आने से पूर्व सूचित करें)

संपादकीय

डॉ. जसबीर आर्य (Ph.D)

निकलने के प्रयास में फसे ट्रंप ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में ईरान जंग पर भाषण दिया। ट्रंप ने फिर धमकी दी है कि अमेरिका आने वाले हफ्तों में ईरान पर इतनी बमबारी करेगा कि उसे पाषण युग में पहुंचा देगा। 20 मिनट के इस प्राइम टाइम भाषण में ज्यादातर वही बातें दोहराई जो वो कई बार पहले कह चुके थे।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हम अगले दो से तीन हफ्तों में उन (ईरान) पर बहुत बड़ा हमला करने जा रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका—इजरायल सैन्य अभियान मुख्य रणनीतिक मकसदों को लेकर लगभग पूरा करने के करीब है। उन्होंने अनुमान लगाया कि यह युद्ध अभी दो से तीन हफ्ते और चल सकता है। अगर आप पिछले एक हफ्ते में ट्रंप के ट्रुथ सोशल पर किए गए पोस्ट पर कॉपी-पोस्ट करें तो वह इस राष्ट्र के नाम उनके संबोधन से काफी मिलता-जुलता पाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस युद्ध के फायदे अमेरिकी जनता को समझाने की भी कोशिश की। इसकी वजह भी है, क्योंकि अमेरिका के कई सर्वे बताते हैं कि 28 फरवरी को शुरू किए गए इस सैन्य अभियान को लेकर ज्यादातर मतदाता असहमति जता रहे हैं। ट्रंप ने अमेरिकी जनता से इस युद्ध को अपने भविष्य में एक निवेश के रूप में देखने की अपील की और कहा कि यह पिछले एक सदी या उससे भी अधिक समय से इस सैन्य संघर्ष की तुलना में कुछ भी नहीं है, जिनमें अमेरिका कहीं अधिक लंबे समय तक शामिल रहा है। लेकिन ट्रंप के भाषण से अमेरिकी जनता नाराज हुई। वह जानना चाहती थी कि यह युद्ध किस दिशा में जा रहा है या अमेरिका के लिए इससे बाहर निकलने के संभावित रास्ते क्या हो सकते हैं? इसमें कई सवालों के जवाब नहीं मिल पाए। पहला : इजरायल अभी ईरान पर हमले कर रहा है? साथ ही इजरायल को ईरान के ड्रोन और मिसाइल हमलों का सामना भी करना पड़ रहा है जिसमें बुधवार को तेल अवीव के पास कुछ हमले भी शामिल हैं।

एक अहम सवाल यह है कि क्या इजरायली प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू की सरकार ट्रंप के बताए गए कुछ हमलों की समय-सीमा से सहमत हैं? फिलहाल इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। कम से कम मौजूदा हालात में तो इस बारे में वुछ नहीं कहा गया है। फिर इस 15 सूत्रीय शांति योजना का क्या हुआ, जिसे व्हाइट हाउस कुछ दिन पहले ईरान से स्वीकार करने के लिए कह रहा था? अपने संबोधन में ट्रंप ने इसका कोई जिक्र नहीं किया। क्या अब अमेरिका अपनी कई मांगों से पीछे हट रहा है, जिसमें समृद्ध यूरेनियम के भंडार को वापस लेने की मांग भी शामिल थी? इजरायल ने अभी ईरान पर हमले नहीं रोके हैं। अब दुनिया के सबसे तेल शिपिंग मागरे में से एक होर्मुज स्ट्रेट इस संघर्ष का फोकस बन गया है। ईरान ने इस तेल मार्ग को बंद कर रखा है। हालांकि राष्ट्रपति का इस पर कोई ठोस और तय रुख नजर नहीं आता। अभी वो ईरान से टैंकरों को रास्ता देने की मांग करते हैं और अगले ही पल सहयोगी देशों से कहते हैं कि वह खुद जाकर इसे संभालें। बुधवार को उन्होंने कहा, होर्मुज पर जाओ और बस उसे अपने नियंत्रण में ले लो, उसकी सुरक्षा करो और अपने इस्तेमाल के लिए उसे खोलो। मुश्किल हिस्सा पूरा हो चुका है, इसलिए यह आसान होना चाहिए। उन्होंने ब्रिटेन और फ्रांस जैसे अपने सहयोगियों को होर्मुज खुद जाकर तेल हासिल करने की नसीहत दे डाली। इसके बाद उन्होंने बिना ज्यादा विस्तार से बताए सिर्प इतना कहा कि युद्ध खत्म होने पर होर्मुज स्वाभाविक रूप से फिर से खुल जाएगा। तेल की कीमतों को लेकर चिंतित लोगों के लिए चार बात शायद ज्यादा भरोसा देने वाली नहीं होगी। व्हाइट हाउस में दिए गए ताजा भाषण में ट्रंप का वो तेवर पूरी तरह गायब था, जबकि ब्रीफिंग में संकेत दिए गए थे कि यह उनके संबोधन का एक अहम हिस्सा होगा। एक और बड़ा अनसुलझा सवाल मैदान में सैनिकों की मौजूदगी को लेकर है। क्षेत्र में लगातार पहुंच रहे हजारों मरीन और पैराट्रूपर्स आखिर वहां क्या कर रहे हैं या क्या करने वाले हैं? ट्रंप के बयान हर अगले दिन बदल रहे हैं या यूं कहें कि सुबह वुछ कहते हैं, शाम को कुछ कहते हैं। इस बीच अमेरिका से गैस की औसत कीमत लगभग चार साल में पहली बार 4 डालर प्रति गैलन से ऊपर चली गई है और ट्रंप की लोकप्रियता रेटिंग तेजी से गिर रही है।

होर्मुज संकट के बीच वैश्विक तनाव और संवाद की आवश्यकता

होर्मुज संकट केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के लिए एक चुनौती है। इस चुनौती का सामना केवल शक्ति प्रदर्शन से नहीं, बल्कि समझदारी, संयम और संवाद से किया जा सकता है। मध्य पूर्व में चल रहा तनाव अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह एक ऐसा वैश्विक संकट बन चुका है जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य, जो विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गो में से एक है, इस समय संघर्ष का वेंद्र बना हुआ है। यहां से गुजरने वाले तेल और गैस की आपरूति पर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता का सीधा प्रभाव वैश्विक बाजार, महंगाई और आम जनजीवन पर पड़ता है।

वैद्यराज शालिग्राम
विद्यावाचस्पति

हाल ही में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन बैठक में साठ से अधिक देशों ने भाग लिया, जिसमें इस संकट को सुलझाने के उपायों पर विचार किया गया। इस बैठक में भारत ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस पूरे संकट का समाधान केवल बातचीत और शांति के माध्यम से ही संभव है। भारत का यह रुख उसकी पारंपरिक विदेश नीति के अनुरूप है, जिसमें वह हमेशा संवाद, संयम और संतुलन को प्राथमिकता देता रहा है।

ईरान की ओर से भी कड़ा रुख अपनाया गया है। उसने स्पष्ट किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य उसके नियंत्रण में है और यह तभी खुलेगा जब उसकी शर्तो को स्वीकार किया जाएगा। यह स्थिति न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर तनाव को बढ़ाने वाली है। यदि यह मार्ग लंबे समय तक बाधित रहता है, तो तेल की आपरूति में भारी कमी आ सकती है, जिससे विश्वभर में ऊर्जा संकट उत्पन्न हो सकता है। इस संघर्ष का एक और गंभीर पहलू मानवीय संकट है। विभिन्न देशों में हजारों लोगों की जान जा चुकी है और लाखों लोग घायल या विस्थापित हुए हैं। अस्पतालों, स्कूलों और अन्य बुनियादी ढांचों को भारी नुकसान पहुंचा है। यह स्थिति दशार्ती है कि युद्ध केवल सैनिकों के बीच नहीं होता, बल्कि इसका सबसे बड़ा खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ता है। संयुत्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी इस स्थिति पर चिता व्यत्त की है और युद्धविराम की अपील की है। उनका मानना है कि यदि यह संघर्ष जारी रहा तो इसके परिणामस्वरूप वैश्विक आर्थिक मंदी, खाद्य संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। विशेष रूप से भारत द्वारा यह भी बताया गया कि इस संघर्ष में अब तक केवल भारतीय नागरिकों की मृत्यु हुई है, जो विदेशी जहाजों पर काम कर रहे थे। यह तथ्य इस संकट की गंभीरता को और बढ़ा देता है, क्योंकि इससे यह स्पष्ट होता है कि युद्ध का प्रभाव सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह निर्दोष लोगों की जान भी लेता है। भारत का यह बयान एक प्रकार से अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चेतावनी भी है कि यदि समय रहते स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं।

दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी देश इस संघर्ष को अपनी रणनीतिक दृष्टि से देख रहे हैं। अमेरिकी नेतृत्व द्वारा दिए गए बयान इस बात का संकेत देते हैं कि वे इस युद्ध को अपनी शत्ति और प्रभुत्व स्थापित करने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। हालांकि उन्होंने बातचीत की बात भी की है, लेकिन उनके वत्तव्यों में कठोरता और चेतावनी का स्वर अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इस प्रकार के विरोधाभासी संकेत स्थिति को और जटिल बना देते हैं।

विकासशील देशों पर इसका प्रभाव अधिक गंभीर होगा, क्योंकि वे पहले से ही आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। भारत का रुख इस पूरे परिदृश्य में संतुलित और दूरदर्शी दिखाई देता है। उसने न तो किसी पक्ष का समर्थन किया है और न ही किसी के खिलाफ आक्रामक बयान दिए हैं। इसके बजाय उसने शांति और संवाद का मार्ग अपनाने की अपील की है। यह नीति न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप है, बल्कि वैश्विक शांति के लिए भी आवश्यक है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत जैसे देश, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, इस प्रकार के संकट से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। यदि तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और आम जनता पर पड़ता है। इसलिए भारत का यह प्रयास कि स्थिति को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाए, पूरी तरह से व्यावहारिक और आवश्यक है।

वर्तमान परिस्थिति यह स्पष्ट संकेत देती है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने केवल विनाश और पीड़ा ही दी है। इसके विपरीत, संवाद और सहयोग के माध्यम से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। इसलिए सभी देशों को अपने मतभेदों को भुलाकर एक साथ बैठकर समाधान खोजने की आवश्यकता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि होर्मुज संकट केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के लिए एक चुनौती है। इस चुनौती का सामना केवल शक्ति प्रदर्शन से नहीं, बल्कि समझदारी, संयम और संवाद से किया जा सकता है।

पीडीए के सहारे नेताजी से वैसे आगे निकल सकते हैं अखिलेश

उत्तर प्रदेश की सियासत में मुलायम सिह यादव का नाम हमेशा सियासत के एक बड़े खिलाड़ी के रूप में याद किया जाता है, जो एक शिक्षक के साथ अच्छे पहलवान भी थे। कुश्ती के अखाड़े से निकलकर राजनीति के मैदान में उतरे मुलायम विरोधियों को धूल चटाने का हुनर रखते थे।

एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह
मोबाइल:9821510040

इटावा जिले के छोटे से गांव सैफई से निकलकर मुलायम ने यूपी और दिल्ली की राजनीति तक में अपना दबदबा बनाए रखा था, लेकिन उनकी सियासत को संभालने वाले उनके पुत्र अखिलेश यादव नेताजी की सियासत के करीब भी भटकते हुए नजर नहीं आते हैं। सियासत में 15 साल का लंबा सफर तय करने के बाद भी अपने दमखम पर समाजवादी पाटा को कोई बड़ी विजय का स्वाद नहीं चखा पाए हैं।

अखिलेश के नेतृत्व में समाजवादी पाटा दो विधानसभा और तीन लोकसभा के चुनाव लड़ चुकी है, लेकिन कुछ हद तक 2024 के लोकसभा चुनाव के अलावा किसी भी चुनाव में अखिलेश की हनक-धमक नहीं सुनाई दी, जबकि सपा को मजबूत करने के लिए अखिलेश ने कांग्रेस और मायावती तक से समझौता करने में परहेज नहीं किया, जिनका मुलायम सिंह से छत्तीस का आंकड़ा रहता था।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने पिछड़ों- यादव और मुस्लिम वोटरों का एक ऐसा गठजोड़ तैयार कर रखा था, जिसको तोड़ना किसी भी विरोधी के लिए संभव नहीं रहा। 1992 में मुलायम सिंह ने समाजवादी पार्टी की नींव रखी, तब से लेकर 2022 तक, जब उनका निधन हुआ, मुलायम ने तीन बार उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री पद संभाला।

तीन बार सीएम बनने के बाद 2012 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद मुलायम ने अपनी जगह बेटे को सीएम की कुर्सी पर बैठा दिया।

मुलायम की राजनीति हमेशा जमीन से जुड़ी रही गांव-गांव घूमना, कार्यकताओं की शिकायतें सुनना, और जरूरत पड़ने पर गठबंधन की चाल चलकर सत्ता तक पहुंचना। लेकिन उनके बाद बेटे अखिलेश यादव ने जब पार्टी की कमान थामी, तो सवाल उठा कि क्या वे पिता की उस छाया से बाहर निकलकर अपनी पहचान बना पाएंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव ने इस सवाल का जवाब कुछ हद तक दे दिया, लेकिन गहराई में उतरकर देखें तो तस्वीर और भी जटिल है।

नेताजी मुलायम सिंह यादव की राजनीतिक पारी की शुरूआत जनता दल से हुई, लेकिन 1992 में अलग पार्टी बनाकर उन्होंने पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को अपना आधार बनाया। 1996 के लोकसभा चुनाव में सपा को 16 सीटें मिलीं, वोट शेयर करीब 20 प्रतिशत। फिर 1998 में 20 सीटें और 1999 में 26 सीटें। 2004 में मुलायम के नेतृत्व में पार्टी ने अपना रिकॉर्ड बनाया 35 सीटें, वोट शेयर 26.74 प्रतिशत। उस वत्त सपा अकेले लड़ी थी, गठबंधन का सहारा कम था। मुलायम की ताकत उनके व्यक्तिगत कद में थी।

वे खुद रैलियों में उतरकर भीड़ को संबोधित करते, पहलवानी वाली भाषा में विरोधियों को ललकारते।

उनकी सरकारों में यादव-मुस्लिम समीकरण मजबूत रहा, लेकिन कभी-कभी आंतरिक कलह भी सामने आई। 2012 के विधानसभा चुनाव में सपा को 224 सीटें मिलीं और मुलायम ने बेटे अखिलेश को मुख्यमंत्री बना दिया। यह फैसला विरासत के हस्तांतरण का था, लेकिन उसी समय परिवार में दरारें भी दिखने लगीं।

अखिलेश यादव 2012 में मुख्यमंत्री बने, तो उनकी छवि युवा, पढ़े-लिखे और विकास- उन्मुख नेता की बनी।

2019 के लोकसभा चुनाव में तो पाटा पांच सीटों पर सिमट गई, वोट शेयर गिरकर 18 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया। मुलायम के निधन के बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश अकेले मैदान में उतरे। पिता का नाम अब भी ब्रांड था, लेकिन अखिलेश को खुद को साबित करना था। उन्होंने पीडीए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक का नारा दिया, बेरोजगारी, पेपर लीक और महंगाई जैसे मुद्दों पर हमला बोला।

2024 आया और अखिलेश ने वो कर दिखाया, जो पिता के समय में भी नहीं हुआ। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से 37 सीटें जीत लीं। यह मुलायम के 2004 के 35 सीटों के रिकॉर्ड को तोड़ने वाला प्रदर्शन था। वोट शेयर बढ़कर 33.59 प्रतिशत हो गया पार्टी के 32 साल के इतिहास में सबसे ऊंचा आंकड़ा। 2019 की तुलना में वोट शेयर में करीब 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को सिर्फ छह सीटें मिलीं, जबकि सपा ने 62 सीटों पर लड़कर बहुमत से ज्यादा प्रदर्शन किया। अखिलेश खुद कन्नौज से जीते, डिंपल यादव मैनपुरी से, और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी जीत हासिल की। लेकिन इस बार यादव उम्मीदवारों की संख्या सिर्फ पांच रखी गई, जो मुलायम के समय में असंभव लगता था। अखिलेश ने मुस्लिम-यादव के पारंपरिक एमवाई समीकरण से आगे बढ़कर पीडीए को व्यापक आधार दिया। क्षत्रिय और अन्य पिछड़ी जातियों का भी समर्थन मिला, जिससे सपा यूपी में बीजेपी की सबसे बड़ी चुनौती बन गई। अब 2027 में अखिलेश के पीडीए की परीक्षा होनी है। खैर, लाख टके का सवाल यही है कि अखिलेश की राजनीति नेताजी मुलायम सिह की राजनीति से कितना भिन्न भी थी, तो कहा जा सकता है कि 2024 तक अखिलेश को मुलायम सिह जैसी कामयाबी नहीं मिल रही थी।

दरअसल, मुलायम अक्सर खुद को केंद्र में रखते थे। 2004 में सपा ने यूपीए का साथ दिया था, फिर भी सीटें 35 ही रहीं। मगर अखिलेश ने 2024 में गठबंधन का फायदा उठाया, अपनी रणनीति से सीटें बढ़ाई। उन्होंने टिकट बंटवारे में यादवों को सीमित रखकर संदेश दिया कि पार्टी अब एक जाति विशेष तक नहीं सिमटी। सपा के 86 प्रतिशत सांसद पिछड़े, दलित और मुस्लिम वर्ग से आए, जो पीडीए फॉर्मूले की सफलता दिखाता है। मुलायम के समय में पार्टी की सरकार होने पर भी इतनी सीटें लोकसभा में नहीं मिली थीं। अखिलेश ने विरोध में रहते हुए रिकॉर्ड बनाया। उनकी रैलियां युवाओं से भरी रहती हैं, सोशल मीडिया का इस्तेमाल वे बेहतर तरीके से करते हैं।

पिता की तरह वे भी सड़क पर उतरकर जनता से जुड़ते हैं, लेकिन भाषा ज्यादा संयमित और मुद्दों पर केंद्रित रखते हैं। फिर भी गहराई में चुनौतियां बाकी हैं। मुलायम का व्यक्तिगत कद इतना बड़ा था कि वे परिवार की कलह को भी अपने अनुभव से संभाल लेते थे। 2016-17 में जब अखिलेश और चाचा शिवपाल के बीच तनाव बढ़ा, मुलायम ने खुद बीच में आकर मामला सुलझाने की कोशिश की। अखिलेश को अब बिना पिता की उस छाया के काम करना पड़ रहा है।

ईरान का नया हथियार

अभी तो स्ट्रेट आफ होर्मूज को ही ऊर्जा संकट के लिए हथियार बनाए बैठा ईरान दुनिया के कई देशों के लिए सिर दर्द बना हुआ है किंतु अब उसने स्ट्रेट आफ बाब अल मंदेब यानि लाल सागर से एडन की खाड़ी को मिलाने वाले इस संकरे समुद्री रास्ते पर नजर गड़ा ली है। मतलब यह कि अभी वह युद्ध को और आगे बढ़ने से बिल्कुल घबराया हुआ नहीं है।

दरअसल इस क्षेत्र में ईरान द्वारा पाले हुए हूती विद्रोही जहाजों पर हमले करके धन वसूली करते ही रहते हैं। हूतियों को हथियार और धन ईरान ही मुहैया कराता है। इसका मतलब यह हुआ कि ईरान के नेतृत्व ने अमेरिका और इजरायल हमलों से कुछ सीखा नहीं है। उसने सौदेबाजी के लिए जिस तरह स्ट्रेट ऑफ होर्मूज को हथियार बनाया ठीक उसी तरह अब एक बार फिर हूती को सक्रिय करके वह अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। सच तो यह है कि यमन के इन हूती विद्रोहियों को लेकर सउदी अरब और ईरान हमेशा एक-दूसरे के आमने-सामने रहे हैं। कभी-कभी अमेरिका भी हूतियों पर हमले करके उन्हें मारता रहा है। 2023 में जब गाजा पर हमले करके इजरायल ने हमास को बर्बाद कर दिया तो कई बार उन्हीं दिनों हूती और हिजबुल्ला जैसे आंतकियों को भी तबाह करने के लिए हमला किया था। अब जब ईरान मुश्किल में फंसा है तो उसने हूती का इस्तेमाल करके लाल सागर से एडन की खाड़ी के बीच सक्रिय इन हूतियों की मदद की रणनीति बना ली है।

अजीत स्वामी
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष,
नेशनल मीडिया फेडरेशन
मोबाइल:9810258654

ई रान इस बात को अच्छी तरह जानता है कि उसकी इस रणनीति से दुनिया एक बार फिर परेशान होगी किंतु वह इस बात को भी अच्छी तरह जानता है कि इस युद्ध की मार हूती ज्यादा दिनों तक झेल नहीं पाएंगे। कारण कि या तो उन्हें इजरायल या अमेरिका मार देंगे अथवा वे खुद जान बचाकर भाग जाएंगे।

दुर्भाग्य से इस वक्त अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इतने अविश्वसनीय अस्थिर व्यक्तित्व वाले नेता हैं जिनकी वजह से ईरान दुनिया के साथ किसी तरह के समझौते का विकल्प नहीं दिख रहा है। ईरान अमेरिका की इसी कमजोरी का लाभ उठाकर अपनी अक्रमकता बढ़ाता जा रहा है। तेहरान में कुछ बचे नेताओं को इस बात का अनुमान हो गया है कि यदि इसी तरह नाटो बिखर गया और अमेरिका के सहयोगी देश एकजुट होकर उस पर हमले करने को तैयार नहीं हुए तो एक दिन ट्रंप भी यह कहकर युद्ध से बाहर हो जाएंगे कि उन्होंने तो युद्ध जीत लिया। किंतु ईरान का यही अति विश्वास उसे एक के बाद एक दिन खोखला कर रहा है। ईरान को बमबाजी करके अमेरिका और इजरायल ने पंगु बना दिया है।

वह जिस तरह हर शांति के प्रस्ताव को ठुकरा रहा है, उससे लगता है कि ईरान इस युद्ध को इतना मुश्किल बना देना चाहता है कि यदि ईरान की पराजय भी हो तो अमेरिका को इस बात का पश्चाताप जरूर हो कि बहुत महंगी पड़ी यह जीत। इसीलिए प्रस्ताव अब अमेरिका के किसी भी शांति प्रस्ताव को मानने के लिए तैयार ही नहीं हो रहा है।

बहरहाल अब यदि ईरान यमन के हूती विद्रोहियों का सहारा लेकर युद्ध को और उलझाने की कोशिश करता है तो इससे उसकी मुश्किलें कम होने वाली नहीं हैं क्योंकि खाड़ी के जिन देशों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं वे भी अब आगे आ चुके हैं और अमेरिका पर दबाव डाल रहे हैं कि वह ईरान को हर तरह से तबाह करे। ईरान की समझ में बड़ी जल्दी आ जाएगा कि क्षेत्रीय गुंडागर्दी से वह अपना प्रभाव बढ़ने का जो सपना देख रहा है, वह उसके अस्तित्व के लिए कितनी बड़ी चुनौती बनकर उभरेगा। ईरान जब तक यह नहीं समझ लेता कि शांति बातचीत और कूटनीतिक प्रयास से ही संभव है, तब तक वह एक के बाद एक मुसीबतें अमेरिका और उनके साथियों के लिए खड़ी करने की कोशिश करता रहेगा किंतु उसकी इन हरकतों का परिणाम उसे भी भुगतना पड़ेगा।

संपादकीय मंडल

प्रधान सम्पादक	:	डॉ. जसबीर आर्य
प्रबंध सम्पादक	:	वैद्यराज शालिग्राम विद्यावाचस्पति
समाचार सम्पादक	:	डॉ. फारूक अंसारी
कार्यकारी सम्पादक	:	अजीत स्वामी
अतिथि सम्पादक	:	बाबा जनार्दन दास
सलाहकार सम्पादक	:	डॉ संजय जोशी
संयुक्त सम्पादक	:	विनोद कुमार
सह सम्पादक	:	संत राम कांडा
उप संपादक	:	डा. उदयन आर्य
सोशल मीडिया प्रभारी	:	कुनाल
चीफ फोटोग्राफर	:	प्रदीप गौतम
मुख्य संवाददाता	:	अशोक मल्होत्रा
प्रधान ब्यूरो चीफ	:	अनिल शर्मा
विशेष संवाददाता	:	खालिद (गुड्डू)
कार्यालय प्रभारी	:	चरणजीत
तकनीकी प्रभारी	:	जितेन्द्र
जन संपर्क अधिकारी	:	मोहन दास
विज्ञापन प्रभारी	:	के .वी. शर्मा, जे.पी.पांडे
महिला प्रभारी	:	बीना
कानूनी प्रभारी	:	एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह, (दिल्ली हाईकोर्ट) 9821510040

Central Office:
दिल्ली टाइम्स न्यूज (DTN)
Plot No.4 Chandra Park (Opp.NSUT) Dwarka
Mod Highway, New Delhi-110078
Helplines .:9212412283, 9650380366, 9868422283
Email:delhitimesnews@gmail.com
Web.www.delhitimesnews.com

दिल्ली टाइम्स न्यूज रिक्तियां

DTN मीडिया समूह को निम्न पदों पर तत्काल आवश्यकता:-

● समाचार संपादक ● कार्यालय प्रबंधक (SEO)
● डिजिटल एडिटर ● वीडियो जर्नलिस्ट
● कंप्यूटर ऑपरेटर ● ग्राफिक डिजाइनर
थंबनेल ● न्यूज एंकर ● सोशल मीडिया मैनेजर
कम्युनिटी मैनेजर व-Youtuber/कंटेंट क्रिएटर
● स्क्रिप्ट राइटर ● इनफ्लुएंसर,
आकर्षक वेतन, भत्ते, इंसेंटिव और सुविधाएं
इच्छुक प्रार्थी अपना बायोडाटा शीघ्र भेजें

वेबसाइट: www.delhitimesnews.com
Email: delhitimesnews@gmail.com
मोबाइल: 9968004686, 9868422283

कप्तान श्रेयस के अर्द्धशतक से किंग्स ने चेन्नई को 5 विकेट से हराया

पंजाब की लगातार दूसरी जीत

चेन्नईः कप्तान श्रेयर अय्यर की अर्द्धशतकीय पारी के दम पर पंजाब किंग्स ने आज यहां चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आई.पी.एल.) के इस सीजन की लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

आयुष म्हात्रे के 43 गेंदों में 73 रन की मदद से चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 209 रन बनाए जिसके जवाब में पंजाब ने निर्धारित लक्ष्य18.4 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। पंजाब के लिए प्रभसिमरन ने 43, प्रियांश ने 39 और कूपर कोनोली ने 36 रन का अहम योगदान दिया।

इससे पहले संजू सैमसन (7) के जल्दी आऊट होने के बाद म्हात्रे ने कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी की। सैमसन ने जेवियर बार्टलेट की आऊट स्विंगर पर कवर में शॉट खेलने की कोशिश की लेकिन विकेट के पीछे प्रभसिमरन को कैच दे बैठे। इसके बाद हालांकि म्हात्रे ने पंजाब के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया।

उन्होंने बार्टलेट को लगातार 3 चौके लगाए और पावरप्ले में चेन्नई को एक विकेट पर 57 रन तक पहुंचाया। इससे पहले शॉर्टपिच गेंदों पर असहज महसूस कर रहे म्हात्रे आत्मविश्वास से ओतप्रोत दिखे और मुंबई के इस युवा बल्लेबाज ने मार्को जानेसन को छक्का लगाया। इसके बाद मार्कस स्टोइनिस को लगातार दो छक्के लगाए और 29 गेंद में अपना अर्द्धशतक पूरा किया।

लैग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपने से 17 साल छोटे इस बल्लेबाज को लगातार गुगली डालकर फांसने की कोशिश की लेकिन कामयाबी नहीं मिली। म्हात्रे को 59 के स्कोर पर विजय कुमार विशाख ने और 67 के स्कोर पर शशांक सिंह ने डीप में जीवनदान दिया। वह विशाख की गेंद पर खराब शॉट खेलकर शॉर्ट थर्डमैन में चहल को कैच देकर लौटे। इस बीच गायकवाड़ को भी चहल ने आऊट किया। चेन्नई ने दसवें से 15वें ओवर के बीच सिर्फ 45 रन बनाए। सरफराज खान ने 12 गेंदों में 32 रन बनाकर रन गति तेज करने की कोशिश की। उन्होंने अर्शदीप सिंह और विशाख को लगातार 3-3 चौके लगाए लेकिन विशाख की ही गेंद पर निहाल वढेरा को कैच देकर पैवेलियन लौटे।

शिवम दुबे ने 27 गेंदों में नाबाद 45 रन बनाए और चेन्नई ने आखिरी पांच ओवर में 64 रन बनाकर 200 का आंकड़ा पार किया। चेन्नई ने 2024 के बाद पहली बार अपने घरेलू मैदान में 200 का आंकड़ा पार किया है। अब तक चेन्नई 15 बार चेपक में 200 रन का आकंड़ा पार कर चुकी है और उसने अंतिम बार ऐसा अप्रैल 2024 में हैदराबाद सनराइजर्स के खिलाफ किया था।

जयवर्द्धने ने युवा गजांफर को मुंबई इंडियंस का 'एक्स फैक्टर' बताया

नई दिल्लीः मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्द्धने ने शुक्रवार को अफगानिस्तान के युवा स्पिनर अल्लाह गजांफर का बचाव करते हुए उन्हें टीम का 'एक्स फैक्टर' बताया। बीस वर्ष के गजांफर ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुंबई के पहले मैच में 51 रन दिए थे।

जयवर्द्धने ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुंबई के मैच से पूर्व कहा, ''वह भविष्य का खिलाड़ी है। उसका कद इतना अच्छा है कि वह कमाल कर सकता है। वह बेहतर प्रदर्शन करेगा।'' उन्होंने कहा, ह्लइसके लिए उसे अनुभव की जरूरत है। उसे श्रीलंका के खिलाफ खेलना था लेकिन टूनार्मैंट रद्द हो गया। मैं चिंतित नहीं हूं। उसने अच्छी गेंदबाजी की।

पूरे मैच में चार पांच खराब गेंदों का उसे खामियाजा भुगतना पड़ा।'' उन्होंने आगे कहा, ह्लइस तरह का एक्स फैक्टर गेंदबाज टीम में है। उनके अलावा मिचेल सेंटनेर, विल जैक्स और मयंक मार्कडेंय भी टीम में है जिससे अलग अलग हालात में अलग संयोजन आजमा सकते हैं। टूनार्मैंट में बाद के दौर में।''

गेंद से छेड़छाड़ के खिलाफ फखर जमां की अपील खारिज, प्रतिबंध बरकरार

लाहौरः लाहौर कलंदर्स के बल्लेबाज फखर जमां 3 अप्रैल को मुल्तान सुल्तांस और 9 अप्रैल को इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ होने वाले मैचों में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि पी.एस.एल. टेक्निकल कमेटी ने मैच रैफरी रोशन महानामा द्वारा लगाए गए दो मैचों के प्रतिबंध को बरकरार रखा है।

यह सजा गेंद की स्थिति में बदलाव (छेड़छाड़) के कारण उन्हें दी गई थी। फखर ने इस फैसले के खिलाफ अपील की थी, जो पी.एस.एल. के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत उनका अधिकार है। महानामा ने 2026 सीजन में उनके पहले लेवल-3 अपराध के लिए अधिकतम सजा सुनाई थी।

फखर ने इस आरोप को चुनौती दी थी, जिसकी सुनवाई के बाद यह फैसला लिया गया।

पी.एस.एल. के नियमों के अनुसार, पहली बार लेवल-3 अपराध के लिए खिलाड़ी को कम से कम एक मैच और अधिकतम दो मैचों का निलंबन दिया जा सकता है।

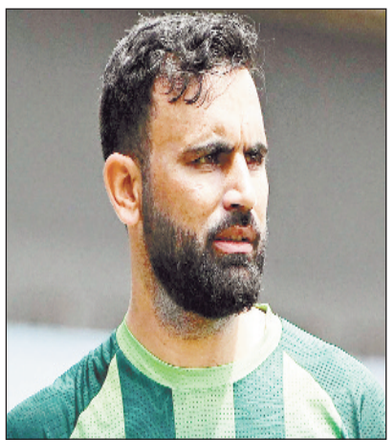

रात में मछुआरे का काम करने वाले अब्दुल फताह ने लंबी कूद में जीता स्वर्ण पदक

जगदलपुरः अब्दुल फताह ज्यादातर रातों को समुद्र में होते हैं, जहां वे मछुआरे बनकर अपने परिवार की रोजी-रोटी कमाने में मदद करते हैं। जैसे ही सुबह होती है, वे सीधे ट्रेनिंग ग्राउंड की ओर निकल पड़ते हैं और एक अलग सपने का पीछा करते हुए लक्षद्वीप को ह्यखेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' 2026 में पहला पदक दिलाया।

कवरत्ती और कदमत द्वीपों के बीच स्थित, दूरदराज के अमीनी द्वीप जो लगभग 2.7 किमी लंबा और 1.2 किमी चौड़ा है, और जिसका कुल भू-क्षेत्रफल 2.60 वर्ग किमी है के 18 वर्षीय लांग जम्पर अब्दुल फताह ने जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर मैदान में 7.03 मीटर की अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। यह इस छोटे से केंद्र शासित प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। केंद्र शासित प्रदेश के खेल अधिकारी अहमद जावेद हसन ने मुस्कुराते हुए कहा, 'वह लक्षद्वीप के पहले ऐसे एथलीट हैं जिन्होंने 7 मीटर की दूरी पार की है और यह वाकई एक खास बात है।'

मछुआरे परिवार में जन्मे फताह भाई-बहनों में सबसे बड़े हैं और घर की बड़ी जिम्मेदारी संभालते हैं। 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद, आर्थिक तंगी के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई बीच में ही रोकनी पड़ी। इसके बजाय, उन्होंने अपने पिता के पारिवारिक व्यवसाय में हाथ बंटाने और खेल को अपने जुनून के तौर पर अपनाने का फैसला किया। फताह ने कहा, कोई और चारा नहीं है, आपको चीजों में संतुलन बनाना ही पड़ता है। जब मैं स्कूल में था, तभी से मैं अपने पिता की मछली पकड़ने के काम में मदद करता आ रहा हूँ। यही हमारी आमदनी का एकमात्र जरिया है। हमारे परिवार में छह लोग हैं। सुबह मैं अपनी ट्रेनिंग के लिए जाता हूं; मेरे परिवार को इस बारे में पता है, भले ही वे इस खेल के बारे में बहुत कम समझते हों।'

दिलचस्प बात यह है कि एथलेटिक्स उनका पहला प्यार नहीं था। फताह शुरू में फुटबॉल खेलते थे, जैसा कि द्वीप के कई दूसरे युवा करते थे। हालांकि, कुछ साल पहले एक स्थानीय इंटर-आइलैंड प्रतियोगिता के दौरान उनकी यात्रा में एक अहम मोड़ आया। कोच मोहम्मद कासिम ने इस युवा की दौड़ने की जबरदस्त काबिलियत को पहचाना और उन्हें एथलेटिक्स में आने का सुझाव दिया। तब से, फताह ने लांग जंप और 100-मीटर स्प्रिंट में ट्रेनिंग शुरू कर दी।

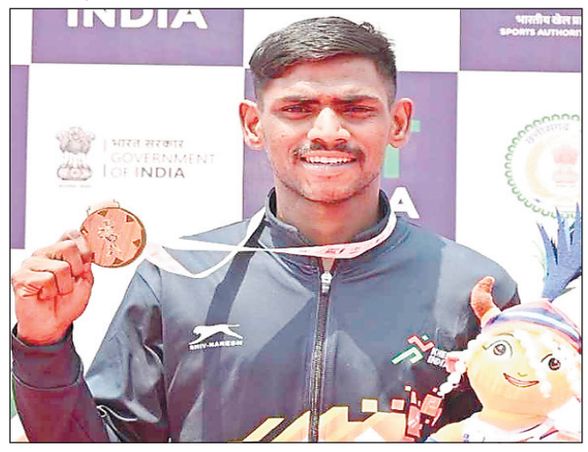

अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमार्ना

कोलकाताः सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराऊंडर अभिषेक शर्मा पर गुरुवार को कोलकाता के ईडन गार्ड्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आई.पी.एल. आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है और साथ ही उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है।

उन्होंने अनुच्छेद 2.3 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी की सजा मान ली। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघनों के लिए, मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।

मेरे स्ट्राइक रेट पर सवाल उठाने वाले लोग मुझसे जलते हैं : रहाणे

कोलकाताः कोलकाता नाइट राइडर्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 65 रनों के बड़े अंतर से हार झेलनी पड़ी है। आई.पी.एल. 2026 में मुंबई इंडियंस के बाद यह उनकी लगातार दूसरी शिकस्त है। इन दोनों ही मैचों के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे एक शब्द का बार-बार प्रयोग कर रहे हैं -ह्यटीम संतुलनह्व।

हालांकि हैदराबाद के खिलाफ मिली हार ने साफ कर दिया है कि समस्या सिर्फ चोटिल गेंदबाजों तक सीमित नहीं है, बल्कि कोलकाता के मध्यक्रम में भी कुछ समस्याएं हैं। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में रहाणे ने हैदराबाद के खिलाफ मिली हार का एक प्रमुख कारण बीच के ओवरों में साझेदारी न बन पाना बताया। उन्होंने कहा, 'आज की विकेट बल्लेबाजी के लिए मुफीद थी, लेकिन हमारी बल्लेबाजी में वह लय नजर नहीं आई। इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करने के लिए हमें और बेहतर बल्लेबाजी की जरूरत थी। बीच के ओवरों में हम साझेदारी नहीं कर सके, जबकि जरूरत यह थी कि कुछ बड़ी साझेदारियां हों और खेल को अंत तक ले जाया जाए।'

निकहत, प्रिया और प्रीति सैमीफाइनल में, भारत के तीन पदक पक्के

उलानबटारः मंगोलिया के उलानबटार में एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 के पांचवें दिन, निकहत जरीन, प्रिया और प्रीति पवार ने शानदार जीत दर्ज करते हुए सैमीफाइनल में जगह बनाई, जिससे भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं। भारतीय अभियान की अगुवाई करते हुए, निकहत जरीन महिलाओं के 51 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टरफाइनल में पूरी तरह से हावी रहीं। उन्होंने अपने दबदबे भरे प्रदर्शन में पहले ही राऊंड में आर.एस.सी. (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) के आधार पर फिलीपींस की जियान बागुहिन को हरा दिया। अब सैमीफाइनल में उनका सामना अब तक की सबसे कठिन चुनौती से होगा, जब वे चीन की वू यू के खिलाफ रिंग में उतरेंगी। महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में, प्रिया ने संयम और रणनीतिक सूझबूझ का परिचय देते हुए चीन की चेंग्यू यांग को 4-1 से हराया। फाइनल में जगह बनाने के लिए अब उनका अगला मुकाबला मंगोलिया की नामून मोंखोर से होगा।

डेल स्टेन की तेज गति वाली स्विंग ने मुझे तेज गेंदबाज बनने के लिए प्रेरित किया: औकिब नबी

नवी मुंबईः जम्मू कश्मीर के खिलाड़ी औकिब नबी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन की तेज गति से गेंद को स्विंग कराने की क्षमता ने उन्हें तेज गेंदबाज बनने के लिए प्रेरित किया। इस साल जम्मू-कश्मीर को रणजी ट्रॉफी में पहली बार खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले नबी इंडियन प्रीमियर लीग (आई.पी.एल.) में दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल हैं।

उन्हें शनिवार को दिल्ली के घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलने का मौका मिल सकता है। नबी ने कहा, ''बचपन में मैं डेल स्टेन को गेंदबाजी करते हुए देखता था। जिस तरह से वह तेज गति से गेंद को स्विंग कराते थे, उससे मुझे तेज गेंदबाज बनने की प्रेरणा मिली और उम्मीद है कि एक दिन मैं भारत के लिए खेलूंगा।''

उन्होंने कहा, ''क्रिकेट खेलने के कारण मुझे पिता से बहुत डांट पड़ती थी। वह नहीं चाहते थे कि मैं क्रिकेटर बनूं। वह चाहते थे कि मैं डॉक्टर बनूं।'' नबी ने कहा कि जम्मू और कश्मीर के लिए मेंटोर (मार्गदर्शक) के रूप में काम करने वाले इरफान पठान ने उनके खेल में काफी सुधार किया।

इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, ''जब इरफान भाई जम्मू कश्मीर के कोच बने तब मैं अंडर-23 टीम में था और वहां मेरे प्रदर्शन ने उनका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने मुझे जम्मू कश्मीर की सीनियर टीम में शामिल करने में मदद की। वह मेरा मार्गदर्शन करते थे, मुझे गुर सिखाते थे और उन्होंने मेरी बहुत मदद की।''

कोचर इंटरनेशनल सीरीज जापान में संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंचे

चिबाः भारत के करनदीप कोचर ने दूसरे राऊंड में शानदार 6-अंडर 65 का स्कोर बनाकर, इंटरनैशनल सीरीज जापान के हाफवे स्टेज पर खुद को संयुक्त-दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया। यह टूनार्मैंट यहां कैलेडोनियन गोल्फ क्लब में हो रहा है। कोचर का यह लगातार दूसरा बोगी-फ्री राउंड था, जिसमें उन्होंने छह बर्डीज बनाईं। इसका नतीजा यह हुआ कि 2 मिलियन अमरीकी डॉलर के इस टूनार्मैंट में वह पिछली रात के संयुक्त-नौवें स्थान से 7 पायदान ऊपर चढ़ गए; और अब वह लीडर कोरिया के होंगटेक किम से सिर्फ एक शॉट पीछे हैं। इस बीच, भारत के दिग्गज खिलाड़ी जीव मिल्खा सिंह ने आज अपनी काबिलियत साबित करते हुए, 2024 के बाद पहली बार एशियन टूर में कट हासिल किया।

वैभव सूर्यवंशी को रोकना होगी गुजरात की प्राथमिकता

अहमदाबादः मात्र 15 साल की उम्र में अपनी बल्लेबाजी से तहलका मचा रहे युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को रोकना गुजरात टाइट्स की पहली प्राथमिकता होगी जब उसका शनिवार को राजस्थान रॉयल्स से मुकाबला होगा।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम गुजरात टाइट्स और राजस्थान रॉयल्स की मेजबानी करेगा, ये दो टीमें हैं जिन्होंने अपने 2026 के अभियान की शुरूआत बहुत अलग-अलग तरीकों से की है, फिर भी वे यहां अपनी अहमियत और लय के लिए बराबर बेताब हैं। गुजरात थोड़ी लड़खड़ाती हुई उतरी, अपने शुरूआती मुकाबले में मामूली स्कोर बनाने के बाद लड़खड़ा गई थी, जिसे उसके गेंदबाज बचा नहीं सके।

टॉप आर्डर पर एक जानी-पहचानी निर्भरता है - साई सुदर्शन, शुभमन गिल और जोस बटलर - तीन नाम जो बराबर उम्मीद और दबाव दोनों रखते हैं। सुदर्शन, जो अपने पिछले सीजन में शानदार और प्रोडक्टिव रहे थे, अब सहजता की तलाश में हैं।

गिल, जो ज्यादातर विरोधियों के खिलाफ भरोसेमंद हैं, राजस्थान के खिलाफ उनका औसत ठीक-ठाक है और उनसे आगे बढ़कर लीड करने की उम्मीद की जाएगी। बटलर, जो कभी टीम को बर्बाद करने वाले खिलाड़ी थे, आजकल ऐसे लग रहे हैं जैसे कोई बंद मैच को खोलने के बजाय खोई हुई चाबी ढूंढने की कोशिश कर रहा हो। मिडिल आर्डर, जैसा कि अक्सर कई मॉडर्न टीमों के साथ होता है, भरोसेमंद होने के बजाय ज्यादा सजावटी लगता है। सुंदर, फिलिप्स और शाहरुख खान भरोसे के बजाय ऑप्शन देते हैं।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली का लक्ष्य इतिहास बदलना

नई दिल्लीः एक जानी-पहचानी कहानी की तरह, जो थोड़े-बहुत बदलावों के साथ खुद को दोहराती रहती है, दिल्ली कैपिटल्स एक बार फिर मुंबई इंडियंस के आमने-सामने होगी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का यह शनिवार का दिन का मैच बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है, लेकिन साथ ही इसमें एकतरफा मुकाबले की झलक भी दिख सकती है, क्योंकि दोनों टीमें इस सीजन में अपनी दूसरी जीत की तलाश में हैं। दिल्ली, लखनऊ सुपर जायंट्स पर 6 विकेट की जीत के बाद इस मैच में उतर रही है।

इस जीत से टीम को हौसला तो मिला है, लेकिन उनकी बैटिंग लाइन-अप के ऊपरी क्रम में जो पुरानी चिंताएं बनी हुई हैं, वे अभी पूरी तरह से दूर नहीं हुई हैं। दूसरी ओर, मुंबई ने कोलकाता नाइट राइडर्स पर आसान जीत के साथ अपनी लय वापस पा ली है। उन्होंने सबको यह याद दिला दिया है कि इतिहास की तरह ही, अच्छी फॉर्म भी अक्सर जानी-पहचानी टीमों का ही साथ देती है।

रियाल मेड्रिड को रौंदकर बार्सिलोना महिला चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

बार्सिलोनाः बार्सिलोना ने एक बार फिर दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए छह गोल दागकर अपने चिर प्रतिद्वंदी रियाल मैड्रिड को 6-0 से हराया और महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल टूनार्मैंट में लगातार आठवीं बार सैमीफाइनल में जगह बनाकर नया रिकॉर्ड बनाया। बार्सिलोना ने क्वार्टर फाइनल का पहला चरण 6-2 से जीता था। इस तरह से उसने कुल मिलाकर 12-2 के बड़े अंतर से जीत दर्ज करके सैमीफाइनल में प्रवेश किया। तीन बार की चैंपियन टीम बार्सिलोना की तरफ से दूसरे चरण में कैरोलिन ग्राहम हैनसेन ने दो गोल जबकि एलेक्सिया पुटेलस, इरेन पारेडेस, ईवा पजोर और एस्मी ब्रुग्ट्स ने एक-एक गोल किया। बार्सिलोना सैमीफाइनल में बायर्न म्यूनिख का सामना करेगा। क्वार्टर फाइनल के एक अन्य मुकाबले में ओलंपिक लियोनेस ने को वोल्फ्सबर्ग को 4-0 से हराकर सैमीफाइनल में जगह बनाई जहां उसका मुकाबला मौजूदा चैंपियन आर्सेनल से होगा।

हेनरिच क्लासेन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से इन्कार किया

नई दिल्लीः दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिच क्लासेन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से इनकार करते हुए कहा कि परिवार को समय देने के लिए उन्होंने यह फैसला किया है।

चौंतीस वर्ष के क्लासेन ने दक्षिण अफ्रीका का केंद्रीय अनुबंध नहीं मिलने के बाद पिछले साल जून में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से विदा ली थी। वह टी-20 लीग खेलते हैं। आई.पी.एल. द्वारा सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में क्लासेन ने सनराइजर्स हैदराबाद के अपने साथी नितीश कुमार रेड्डी से बात की। क्लासेन ने कहा, ''मैंने दो सप्ताह तक इसके बारे में सोचा लेकिन फिर फैसला लिया कि वापसी नहीं करनी है।'' उन्होंने कहा, ''मेरे परिवार की इसमें बड़ी भूमिका है। मेरे दोस्त जब टी-20 विश्व कप में अच्छा खेल रहे थे तो मुझे लग रहा था कि मैं क्यों उनके साथ नहीं हूं। मैं वापसी करना चाहता था। मैंने एडेन (माक्ररम) से बात भी की।'' उन्होंने कहा, ''उसने कहा था कि अगर उसे टीम में शामिल किया गया तो मैं जरूर वापसी करूंगा। लेकिन विश्व कप के बाद मुझे लगा कि ऐसा नहीं होगा। इसलिए मैं वापसी नहीं कर रहा।''

संक्षिप्त समाचार

लूट और अपहरण के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली: नॉर्थ वेस्ट जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड की टीम ने लूट और अपहरण के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में राहुल नैन और विनोद कुमार है। विनोद को भारत-नेपाल बॉर्डर तक पीछा कर काबू किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल कार और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। विनोद आदतन अपराधी है, जो पहले 5 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

नॉर्थ वेस्ट डीसीपी आकांक्षा यादव ने बताया कि पीड़ित की सूचना पर शालीमार बाग थाने में मामला दर्ज कर टीम ने फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर आरोपियों के मूवमेंट को ट्रैक किया। जांच के दौरान पुलिस हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड तक पहुंची। मुख्य आरोपी राहुल नैन को पहले गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर दूसरे आरोपी विनोद कुमार की तलाश शुरू की। पुलिस आरोपी का पीछा करते हुए भारत-नेपाल सीमा तक पहुंच बनाई। आरोपी को बनबसा हाईवे के पास नेपाल भागने की कोशिश करते समय गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

विभागों और एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय के लिए विशेष सेल का किया गठन

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार ने शहरी विकास विभाग के तहत एक विशेष आंतरिक सेल बनाया है। इसका मकसद विकास कार्यों में शामिल अलग-अलग एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बिठाना है। इस 20-सदस्यीय सेल को बनाने का फैसला पिछले महीने यमुना नदी को फिर से संवारने के लिए बनी एक उच्च-स्तरीय समिति की बैठक में लिया गया था। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की थी। सभी विभागों और एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि इस सेल के साथ सहयोग करें, तय समय-सीमा का सख्ती से पालन करें और अपने काम की मौजूदा स्थिति की नियमित रिपोर्ट जमा करें।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस सेल की अगुवाई दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के सदस्य सचिव करेंगे। इसका काम नियमों के पालन से जुड़ी ड्राफ्ट रिपोर्ट जमा करना होगा। यह संबंधित विभागों के बीच के मुद्दों पर तालमेल बिठाएगा और जानकारियों का आदान-प्रदान करेगा। यह विभागों के बीच सड़क काटने की अनुमतियों के लिए तालमेल समिति के तौर पर भी काम करेगी। अनधिकृत कॉलोनियों और गांवों में सड़कों को फिर से ठीक करने का काम भी यही समिति देखेगी। इनमें वे जगहें भी शामिल हैं, जहां सीवर नेटवर्क और घरों के कनेक्शन लग चुके हैं या अभी लगने बाकी हैं। सभी काम करने वाली एजेंसियां एक साल, दस साल और 15 साल के लिए अपनी योजनाएं आपस में साझा करेंगी।

ऐसा इसलिए किया जाएगा ताकि विकास कार्यों में असरदार तालमेल और एकरूपता बनी रहे और अलग-अलग कामों को एक साथ मिलाकर बार-बार सड़क काटने की जरूरत न पड़े। इस सेल में दिल्ली जल बोर्ड, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, पर्यावरण और वन, दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विकास प्राधिकरण जैसे विभागों के अधिकारी शामिल हैं।

कोई भी आदिवासी यूसीसी के दायरे में नहीं आएगा : शाह

नई दिल्ली (टाइम्स ब्यूरो): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आदिवासियों के विकास के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। आदिवासी क्षेत्र समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के दायरे में नहीं आएंगे। उन्होंने राज्य में भाजपा की सत्ता में वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

गोलपाड़ा जिले के दुधनोई में एक चुनावी रैली में गृह मंत्री ने ग्वालपाड़ा को मिनी असम करार दिया, क्योंकि वहां राभा, बोडो, हाजोंग और कोच सहित कई जनजातियों के लोगों के अलावा आदिवासी चाय बागान श्रमिक रहते हैं। शाह ने कहा, कांग्रेस आदिवासियों को डराने के लिए अफवाहें फैला रही है कि वे यूसीसी से प्रभावित होंगे, लेकिन यह बिल्कुल झूठ है और कोई भी आदिवासी इसके दायरे में नहीं आएगा। उन्होंने कहा, केंद्र में प्रधानमंत्री हैं और यहां असम में मुख्यमंत्री हैं- दोनों के पास राज्य में आदिवासियों के विकास के लिए एक रोडमैप है। अगर लोग भाजपा को लगातार तीसरी बार जनादेश देते हैं, तो इसे (रोडमैप) आगे बढ़ाया जाएगा।

शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने कभी आदिवासी कल्याण की बात नहीं की। आजादी के बाद से कांग्रेस की सरकारों ने आदिवासियों के विकास पर केवल 25,000 करोड़ रुपए खर्च किए, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में उनके लिए 1.38 लाख करोड़ रुपए दिए। शाह ग्वालपाड़ा वेस्ट (सुरक्षित) से भाजपा उम्मीदवार पबित्रा राभा और दुधनोई (सुरक्षित) से पार्टी प्रत्याशी टंकेश्वर राभा के लिए प्रचार कर रहे थे। असम की 126 विधानसभा सीट के चुनाव के लिए मतदान 9 अप्रैल को होगा।

चुनाव को प्रभावित करने के लिए बुलाया गया विशेष सत्र: कांग्रेस

नई दिल्ली (टाइम्स ब्यूरो): कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने तथा चुनावी लाभ हासिल करने के लिए इस महीने संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जो चुनाव आचार संहिता का घोर उल्लंघन है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इस बात पर जोर दिया कि परिसीमन की प्रक्रिया में जल्दबाजी के खतरनाक नतीजे होंगे तथा हम राज्य स्तर पर लोकसभा सीटों की संख्या के तुलनात्मक अंतर में बदलाव नहीं चाहते। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, यह जानकारी भी मिली है कि लोकसभा की सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की समानुपातिक वृद्धि की जाएगी और अगर ऐसा होता है तो दक्षिण, पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत के छोटे राज्यों को नुकसान होगा। रमेश ने कहा कि महिला आरक्षण के विषय पर सरकार 30 महीने बाद जागी है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन करके दोबारा श्रेय लेना चाहते हैं।

बाल संरक्षण से जुड़े पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के लिए गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय व सी-लैब में करार

नई दिल्ली (टाइम्स ब्यूरो): बाल संरक्षण और बाल अधिकारों को अकादमिक ढांचे में संस्थागत स्वरूप देने के लिए गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जीजेयूएसटी) ने सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियर चेंज फॉर चिल्ड्रेन (सी-लैब) से हाथ मिलाया है। दोनों के बीच हुए समझौते के तहत बाल अधिकार व बाल संरक्षण से जुड़े विषय अब विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेंगे और स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कोर्स शुरू करने के साथ ही दोनों संयुक्त रूप से इन विषयों पर शोध भी करेंगे। सी-लैब की स्थापना इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन ने की है जो बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है।

बाल अधिकारों से जुड़े पाठ्यक्रमों की शुरूआत के लिए समझौते पर दस्तखत करते गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई व इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन के ट्रस्टी रजत कुमार। इस मौके पर इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन की एसोसिएट डाइरेक्टर डॉ. संगीता गौड़, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विजय कुमार और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग के डीन प्रो. ओ.पी. सांगवान भी मौजूद थे।

इस समझौते के तहत सी-लैब अलग-अलग कोर्स के लिए शैक्षणिक सामग्री, अवधि और पात्रता शर्तें तय करने के साथ ही विश्वविद्यालय को बाल अधिकारों व बाल संरक्षण के बाबत अपनी विशेषज्ञता व तकनीकी मदद भी मुहैया कराएगा। वहीं, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अपने सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) के जरिए इन पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए जरूरी नीतिगत फैसले लेगा। साथ ही, विश्वविद्यालय अपने कैंपस में इन पाठ्यक्रमों के लिए जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगा। विश्वविद्यालय और सी-लैब ने इन पाठ्यक्रमों के लिए न्यूनतम फीस रखने का फैसला किया ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र इसमें दाखिला ले सकें और आगे चलकर देश में बाल संरक्षण तंत्र को मजबूती दे सकें।

हरियाणा के शीर्ष सरकारी विश्वविद्यालयों में शुमार गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा, "हमारा प्रयास है कि हम ऐसे ऊजार्वान और जानकार मानव संसाधन तैयार करें जो देश के विकास और समाज के कल्याण में सार्थक योगदान देने के साथ ही हमें बाल संरक्षण के क्षेत्र में एक ज्ञान केंद्र के रूप में स्थापित करें।ह्व उन्होंने कहा, "सी-लैब के साथ यह समझौता भविष्य के हमारे उस खाके को और मजबूत करता है जिसके तहत हम जागरूक और संवेदनशील युवाओं की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना चाहते हैं जो नीति-निर्माण, पैरोकारी, कानून लागू करने वाली एजेंसियों, मीडिया और सामुदायिक स्तर के हस्तक्षेपों में प्रभावी योगदान देने के साथ बाल संरक्षण तंत्र को और सुदृढ़ बना सके।"

जमीनी अनुभवों व विशेषज्ञता के साथ अकादमिक क्षमता निर्माण की इस साझेदारी की अहमियत के बाबत इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन की एसोसिएट डाइरेक्टर संगीता गौड़ ने कहा, ह्लयह साझेदारी जमीनी वास्तविकताओं और अकादमिक विमर्श के बीच के फासले को भरने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अलग-अलग क्षेत्रों के भावी पेशेवर बाल संरक्षण को अधिकार-आधारित नजरिए से देखें और समझें। हमारा मुख्य ध्यान बाल विवाह, बाल मजदूरी, बच्चों की ट्रैफिकिंग, ऑनलाइन सुरक्षा और बाल अधिकारों के लिए कानूनी ढांचे जैसे अहम मुद्दों पर है जिसमें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कानून भी शामिल हैं।

इस समझौते पर गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई और इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन के ट्रस्टी रजत कुमार ने दस्तखत किए। इस दौरान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विजय कुमार और अंतरराष्ट्रीय मामले विभाग के डीन प्रो. ओ. पी. सांगवान भी मौजूद थे।

हिसार शहर में 372 एकड़ में फैले 30 साल पुराने इस विश्वविद्यालय में 52,000 छात्र हैं। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) ने इसे ए+ विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दे रखी है। देश में विश्वविद्यालयों की रैंकिंग तय करने वाले नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) ने 2025 में इस विश्वविद्यालय को राज्यों के शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों में जगह दी और इसे हरियाणा का शीर्ष सरकारी विश्वविद्यालय घोषित किया। विश्वविद्यालय मौजूदा समय में अपने परिसर, दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा माध्यमों के जरिए 100 से भी अधिक स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रम संचालित कर रहा है

इस बीच, सी-लैब ने बाल यौन शोषण के मामलों में ह्यसपोर्ट पर्सन्सह्न के लिए अपनी तरह का पहला सर्टिफिकेट कोर्स पहले ही शुरू कर दिया है। वर्ष 2023 में बाल यौन शोषण मामलों में सपोर्ट पर्सन की अनिवार्य रूप से नियुक्ति के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इनकी मांग में खासी बढ़ोतरी हुई है।

बाल उत्सव रामलीला समिति द्वारा हनुमान जन्मोत्सव का 10वां वार्षिक भंडारा श्रद्धापूर्वक हुआ सम्पन्न

नई दिल्ली (टाइम्स ब्यूरो): द्वारका में बाल उत्सव रामलीला समिति द्वारा आयोजित हनुमान जन्मोत्सव का एक जीवंत और आध्यात्मिक रूप से उत्साहवर्धक भव्य समारोह का नजारा देखने को मिला, जिसमें सेवा और भक्ति की एक दशक पुरान्तव धार्मिक परंपरा को जारी रखते हुए इस अवसर पर समिति ने 10वां वार्षिक भंडारा श्रद्धापूर्वक किया आयोजित। हनुमान जी का भोग पश्चिमी दिल्ली की सांसद आदरणीय कमलजीत सहरावत के द्वारा लगाया गया। नजफगढ़ जिला अध्यक्ष राज शर्मा ने हनुमान जी के तिलक कर सभी की मंगल कामना की प्रार्थना की, इसके अलावा सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, रवा के पदाधिकारियाँ और अन्य गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम के शुरूआती चरण में हनुमानजी के भजन और आरती के उपरांत सांसद कमलजीत सहरावत जी द्वारा भगवान हनुमान जी को भोग लगाकर सभी को हनुमान जी के आशीर्वाद की कामना की।

बता दें,इस वर्ष समिति ने युवा पीढ़ी के बीच धार्मिक मूल्यों, संस्कृति और नैतिक संस्कारों को बढ़ावा देने हेतु कई तरह की विशेष प्रतियोगिताओं की शुरूआत को उच्च स्तरीय बढ़ावा दिया जा रहा है। बच्चों के लिए आयोजित हनुमान चालीसा कंठस्थ करने की प्रतियोगिता में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया,जिसमें उनकी भक्ति और अद्भुत स्मरण शक्ति देखने को मिली। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित

किया गया। कार्यक्रम में एक अनोखा और आनंदमय तत्व जोड़ते हुए हनुमान जी के साथ फैमिली सेल्फी प्रतियोगिता का अनूठा आयोजन देखने को मिला। बाल प्रतिभागियों के परिवारों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस प्रतियोगिता में एक छोटी वॉशिंग मशीन जिसे प्रतीकात्मक रूप से 'भगवान जी' के वस्त्र धोने के लिए रखा गया था। मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।

इस कार्यक्रम का एक और यादगार पल वह था जब हरीश खिलवानी जी ने बच्चों और अतिथियों को भगवान हनुमान की सुंदर इलेक्ट्रॉनिक प्रतिमाएं भेंट कीं जिसे वहां उपस्थित जनों ने बखूबी सराहा। इस अवसर पर मीडिया समक्ष बोलते हुए बाल उत्सव रामलीला समिति की अध्यक्ष प्रीतिमा खंडेलवाल ने बताया कि यह भंडारा पिछले 10 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष धर्म के प्रभाव को सुदृढ़ करने और समाज में विशेष रूप से बच्चों में,सांस्कृतिक मूल्यों और संस्कारों को स्थापित करने के उद्देश्य से इन प्रतियोगिताओं को विचारपूर्वक शामिल किया गया था। साथ ही उन्होंने सभी के सहयोग और उन्नति के लिए धन्यवाद दिया, आदरणीय कमलजीत जी का विशेष आभार, सांसद जाने से पहले भगवान का भोग लगाकर कार्यक्रम का आरंभ किया और प्रतिवर्ष भोग लगाने की परम्परा को निभाया।

यह संपूर्ण समारोह भक्ति, सामुदायिक भावना,सांस्कृतिक समृद्धि का एक अनोखा सुंदर संगम था जिसने वहां उपस्थित सभी लोगों को अंदर से सकारात्मकता और आध्यात्मिक-तृप्ति का अनुभव किया। कुल मिलाकर हनुमान जयंती 10वां वार्षिक भंडारा अपने आप में सकारात्मक स्वरूप धारण किए नजर आया। हजारों लोगों ने भंडारे का आनंद लिया।

5:15 किलो का मोदक हनुमान जी के लिए बड़ी ही श्रद्धा से श्री सतीश राणा, सचिव बाल उत्सव रामलीला समिति द्वारा लाया गया जिसने हनुमान जी का भोग अदभुत कर दिया। एक और अविश्वसनीय बात थी कि इस भंडारे के टेंट को लगाने में किसी टेंट वाले का सहयोग नहीं था, बल्कि इसको लगाने में सहयोग दिया था श्रीमती रेखा झिंगन, श्री सतीश राणा, श्री देवेन्द्र मुदगिल, एडवोकेट अनिमेष खंडेलवाल और श्रीमती प्रीतिमा खंडेलवाल। टेंट वाले ने सामान रख दिया और कह दिया कि लेबर नहीं है तो प्रभु ने अपना काम भक्तों से स्वयं करवा लिया।

विश्व युद्ध की ओर बढ़ता अमेरिका ईरान युद्ध

नई दिल्ली (चन्द्र शेखर मार्कंडेय): यह युद्ध एक वर्चस्व की लड़ाई है जिसमें कोई भी एक दूसरे से छोटा नहीं होना चाहता।यह युद्ध एक ऐसा मोड़ ले चुका है जिसका रास्ता केवल महा विनाश की तरफ जाता है।ऐसी परिस्थिति में यदि कोई राष्ट्र मध्यस्थता करने का प्रयास भी करता है तो इस युद्ध की आंच से वह भी स्वयं को सुरक्षित नहीं रख पायेगा। अतः यदि संघर्ष विराम होता है किसी भी परिस्थिति में इसके बाद जिस कूटनीतिक युद्ध परोक्ष रूप में शीत युद्ध वह सबसे अधिक खतरनाक सिद्ध होगा।

दरअसल यह युद्ध एक दो देश तक सीमित न होकर इसका दायरा जंगल की आग की तरह लगातार बढ़ता चला जा रहा है।यह आग लगभग पूरे मिडिल ईस्ट में फैल चुकी है।यह अब केवल सैनिक युद्ध न होकर आर्थिक युद्ध के रूप में बदलता चला जा रहा है।जिसका खामियाजा आने वाले समय में पूरे विश्व को उठाना पड़ेगा। जहां तक संदेश मिल रहे हैं उसे देखते हुए यह भी कहने में कोई गुरेज नहीं कि इस युद्ध के प्रभाव से कुछ छोटे मोटे देशों की अर्थव्यवस्था ही तहस-नहस हो जायेगी।

महंगाई भुखमरी बदहाली में परिस्थिति ऐसी होंगी कि लोग भूख से बेहाल होकर दम तोड़ने लगेंगे। अभी यह केवल ट्रायल का अंश भर है आने वाले समय में कुछ अन्य देशों की प्रतिक्रिया देखते हुए ऐसा लग रहा है कि यदि अन्य विनाशक हथियारों का प्रयोग हुआ तो कुछ देशों में मानवीय सभ्यता का नामोनिशान मिट जायेगा इसमें भी कोई संदेह नहीं है।

जहां तक सवाल आपसी समझौते का है सबसे पहले गौरतलब बात यह है कि इजरायल पर जब हमास ने धोखे से आक्रमण कर सैकड़ों हत्याएं कर काफी लोगों को बंधक बना लिया था इजरायल को भी तब तक शायद यह अहसास नहीं रहा होगा कि हमास इतना खतरनाक कदम उठा सकता है। उसके बाद बदले की लड़ाई में इजरायल ने हमास जैसे आतंकवादी संगठन को धूल में मिला दिया।

जहां तक सवाल शांति समझौते का था इस्लामिक नेता होने के कारण ईरान का फर्ज था उसे उन परिस्थितियों में दोनों पक्षों को समझा बुझाकर समझोते का प्रयास करना चाहिए था। लेकिन ईरान ने हूती और हिजबुल्ला जैसे आतंकवादी संगठनों को हवा देकर जलती आग में घी डालने का काम किया।

इस युद्ध में यदि असलियत में आंकलन किया जाए कितने खरब डॉलर अब तक इस युद्ध की भेंट चढ़ चुके होंगे कहना मुश्किल है। लगभग दो वर्ष के अंतराल में यह आग पूरे मिडिल ईस्ट को घेर चुकी है। जिसने कुछ प्रत्यक्ष तो कुछ परोक्ष से दोनों महाशक्तियां रूस व चीन उत्तर कोरिया ईरान का समर्थन करते नजर आ रहे हैं और आवश्यकता पड़ने पर जरुरी संसाधन भी मुहैया कराते नजर आ रहे हैं।

तो वहीं इस युद्ध की चपेट में इजरायल तो पहले से है ही साथ ही अमेरिका अब खुलकर सामने आ गया है। उसके विरुद्ध रूस चीन उत्तर कोरिया भी धीरे धीरे मैदान में उतर आये हैं उत्तर कोरिया ने अमेरिकी जहाजों के ऊपर से मिसाइल भेजकर अपने होने का अहसास करा दिया है। इस घटनाक्रम को देखते हुए अमेरिका के मित्र देशों के चेहरे पर भी चिंता की रेखाएं चमकने लगी है। धीरे धीरे ही सही नाटो देशों की समझ में आने लगा है कि यदि अलग थलग पड़े तो हमारे साथ भी वही परिस्थिति कभी भी सामने आ सकती है। लिहाजा इसे देखते हुए यह यह कहना नामुमकिन है समझौते का कोई परिणाम सामने आ सकता है।

अतः भारत को शांति पूर्वक किसी भी विषम परिस्थिति के प्रति सचेत रहते हुए अपनी भी तैयारी को मजबूत रखना चाहिए कब यह आग भड़कते हुए भारत के पड़ोस तक भी आ पहुंचे।यह भी कहना कोई मुश्किल नहीं है कि ईरान और पाकिस्तान पड़ोसी होने के साथ ही एक दूसरे से कटुता रखते हैं और पाकिस्तान अमेरिका का शांति प्रस्ताव ईरान के समक्ष रख चुका है जिसे ईरान ने नकार दिया है।यह बात ईरान से भी छुपी नहीं है कि अमेरिका पाकिस्तान को मोहरा बनाकर ईरान के विरूद्ध पाकिस्तान का उपयोग कर सकता है। अतः जबाबी कार्यवाही में पाकिस्तान की भी बत्ती गुल हो सकती है। जबकि चीन पहले से ही ताक में बैठा है कि वह पाकिस्तान के संसाधनों का भरपूर उपयोग कर सके।

यदि चीन अपनी चाल में कामयाब हो जाता है तो यह भारत के लिए भी एक बडे खतरे की निशानी है। अतः तटस्थ रहते हुए भारत को अपने सामरिक व आर्थिक हितों की सुरक्षा के लिए आज बेहद सावधानी बरतने की आवश्यकता है।इसी के साथ सबसे पहले अपनी आंतरिक सुरक्षा का ढांचा मजबूत करने की सबसे बड़ी आवश्यकता दिखाई देती है। क्योंकि जैसे प्रकरण आज खुलकर सामने आ रहे हैं उसे देखते हुए सबसे पहले हमें वाह्य सुरक्षा के साथ आंतरिक सुरक्षा को एक अभेद्य सुरक्षा कवच तैयार किया जाना बेहद जरूरी हो चुका है। दुश्मन चाहकर हमें कहीं से भी हरा न सके।

कानूनी सहायता केंद्र

आप सभी कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों को सूचित किया जाता है कि संगठन के अन्तर्गत एक मजबूत कानूनी सहायता केन्द्र संचालित हो रहा है जिसके प्रभारी एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह जी हैं जो कानूनी मामलों के अनुभवी जानकार होने के साथ-साथ अपनी जस्टिस लीग नाम से अपनी एक लॉ फार्म भी चलाते हैं। हमारे इस केंद्र में सभी प्रकार की दिवानी और फौजदारी केसों के अलावा लेबर, मैरिज, मेडिकल, मीडिया, कॉरपोरेट और पारिवारिक विवादों के साथ NDPS, PMLA, ED, CBI, N.I.A. से संबंधी केसों में भी निःशुल्क बेहतरीन परामर्श दिया जाता है, साथ ही जनहित से जुड़े मामलों में PIL भी डाली जाती है।
अतः कोई भी व्यक्ति इनकी सेवाएं ले सकता है।
(संपादक)

एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह
दिल्ली हाई कोर्ट
CEO, Justice League
मोबाइल: 9821510040

Jai Santoshi Maa

CIN No.: U45201DL2005PTC133194
GSTIN DELHI: 07AAICS8637E123
GSTIN HARYANA: 06AAICS8637E224 GSTIN MADHYA PRADESH: 23AAICS8637E129
PAN: AAICS8637E
Trademark Registered & Also have ESI & EPF registration

Tel. : 011-25073689, 28084389
Mobile: 9810258654, 9810658654
E-mail: info@swamicontractors.com
ajitswami@swamicontractors.com
swamicontractors@gmail.com

SWAMI CONTRACTORS PVT. LTD. Regd.

An ISO 9001-2015 Certified Company
Licenced by Contractors Council of India
Govt. & Private Contractors, Civil, Electrical, Fire Fighting Works & Constructions
Registered with Central Public Works Department (CPWD), Govt. of India & Class-I Contractor of PWD Haryana
Registered with NCT of Delhi for Electrical Work and NSIC with MSME

स्वात्वाधिकारी दिल्ली टाइम्स न्यूज़ के लिए प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक डॉ. जसवीर आर्य द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस, 656 बल्लीमारान, दिल्ली से मुद्रित तथा लोकप्रिय दिल्ली टाइम्स कार्यालय प्लॉट नं0 4 चंद्रा पार्क, द्वारका मोड़ हाईवे, नई दिल्ली 110078 से प्रकाशित।
Mobile :9212412283 नोट- किसी भी वाद-विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली रहेगा। इस अंक में प्रकाशित किसी भी सामग्री से संपादक एवं प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्रधान संपादक डॉ जसवीर आर्य (RNI No 60966/1997) www.delhitimesnews.com